AKHDIR®

Thiamethoxam 30% FS

(Systemic Insecticide)

Thiamethoxam 30 % FS is broad- spectrum systemic insecticide that is well suited for seed treatement used to control early season sucking pests. Recommended as seed treatment to control Jassids, aphids and Whitefly in cotton, shoot fly on sorghum and Maize, termites in wheat, jassid in okra, Thrips, GLH and Whorl Maggot in rice, jassid and thrips in sunflower, stem fly in soybean and thrips in chilli crop. Due to its fast action on sucking pest, it limits the transmission of leaf curl virus.

Recommendation :

Crop (s)	Common Name of Pest	Dosage/HA		Dilution in Water (liter)	Waiting Period between last spray to harvest (days)	Re-entry after each Application (in Hours)
		AI (gm per kg seed)	Formulation (ml per kg seed)			
Cotton	Jassids, Aphids, Whiteflies	3	10	-	This is used as seed dresser	
Wheat	Termites	1.0	3.3			
Sorghum	Shoot Fly	3.0	10.0			
Rice	Thrips, GLH, Whorl Maggot	0.9	3.0			
Okra	Jassid	1.7	5.7			
Maize	Shoot Fly	2.4	8.0			
Chilli	Thrips	2.1	7.0			
Sun flower	Jassid, Thrips	3.0	10.0			
Soybean	Stem fly	3.00	10.00			

Direction of Use : For small lots, mix the required quantity of Thiamethoxam 30 % FS with 10-20 ml of water for each kg of seed to be treated. Add the slurry to the seed and rotate or stir the container(Plastic drum or bag) until the seeds are uniformly covered(usually less than a minute). It is recommended for application as slurry with continuously operating commercial seed dressing equipment. For preparation of slurry, proceed as follows: 1. Put 1/2 of the required water top the mix tank. 2. Add the required quantity of Thiamethoxam 30 % FS while stirring continuously. 3. Allow the product to disperse. 4. Switch the agitation system or stir manually. 5. Top up with the remaining volume of water. 6. Maintain agitation of the slurry during the whole time of use. 7. The slurry has to be used within 24 hours after preparation. Application Procedure: 1. Prepare this slurry as descried. 2. Fill the seed into the receptacle. 3. Start mixing the seed. 4. Apply the required amount of slurry by pouring onto the mixing seed. 5. Mix for about 30 seconds to one minutes to achieve a homogenous treatment. An extended mixing will lead to abrasion and dust forming. **Precaution :** Do not use cooking utensils for preparing slurry. Use stick for stirring the slurry solution. Avoid contact with skin, eyes and clothing. Avoid inhalation of fog and vapours. Wear hand gloves to avoid contact with the skin. Wear protective clothing, mask goggles and boots, while mixing. Do not eat, drink or smoke while handling or applying the product. Wash hands with soap and plenty of water and change clothes after the work is over. Also wash the contaminated clothes. **Symptoms Of Poisoning :** Poisoning may cause symptoms of decrease in spontaneous movement, toxic convulsion and ptosis. **First Aid :** Remove the affected person to a well-ventilated area or fresh air and protect him from undercooling IN CASE OF SKIN CONTACT: Remove contaminated clothing and thoroughly wash the affected parts of the body with soap and water. IN CASE OF EYE CONTACT: Rinse eyes with clean water for several minutes. IN CASE OF INGESTION: Repeatedly administer medicinal charcoal in a large quantity of water. NOTE: Never give anything by mouth to an unconscious person. Do not induce vomiting. **Phytotoxicity :** No phytotoxic, if applied as per recommendation. **Antidote :** No specific antidote is known. Apply symptomatic therapy. **Disposal Of Used Container :** 1. Packages or surplus materials and washings from the machines and containers should be disposed off in a safe manner as to prevent environmental and water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. Packages shall be broken and burried away from habitation. **Storage Conditions :** 1. The packages containing the insecticides should be stored in original containers in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key. 2. The rooms or premises meant for storing the insecticides shall be well built, dry, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour. **Caution : Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/Leaflet.**

Chemical Composition:

Thiamethoxam a. i.	30.00 % w/w
Copolymer of butanol	4.30 % w/w
Glycerine	5.10 % w/w
1,2 -Benzisothiazole-3-one	0.20 % w/w
Monazo dye (Irgalith Red C 2 B)	3.40 % w/w
Polyethylene glycol	2.60 % w/w
Water	Q.S % w/w
Total :	**100.000% W/W**

English

अखदीर

थायामेथोक्सॅम ३० प्रतिशत एफ एस

(अंर्तप्रवाही कीटनाशक)

थायामेथोक्सॅम ३० प्रतिशत एफ एस एक बहुउपयोगी अंतरप्रवाही कीटनाशक है जो बीज उपचार करने से फसल के आरंभ में आने वाले चूषक कीटों को नियंत्रित करती है। इसकी आवश्यक मात्रा कपास की फसल में होने वाले कीट जैसे तेला, माहो, सफेद मक्खी ज्वार व मक्का की प्ररोह मक्खी, गेहूं के दीमक, भिंडी के तेला, धान के चुरदा, हरा पत्ती का फुदका व चक्रीय मेगोट, सूरजमूखी के तेला व चुरदा, सोयाबीन की तना मक्खी तथा मिर्च के चुरदा के नियंत्रण के लिए बीज उपचार करने के लिए सिफारिश की जाती है। चूषक कीटों पर शीघ्र असर होने के कारण, यह पत्ता मोड़क रोग होने से रोकती है।

उपयोग:

फसल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा (ली.)	अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिनों में)	पुन: प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बाद (घंटे)
		स.तत्व (ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज)	संरूपण (मि.ली. प्रति कि.ग्रा. बीज)			
कपास	तेला, माहो, सफेद मख्खी	३.०	१०.०	–	यह बीज उपचार के लिए प्रयोग किया जाता है।	
गेहूँ	दीमक	१.०	३.३			
ज्वार	प्ररोह मक्खी	३.०	१०.०			
धान	चुरदा, हरा पत्ती का फुदका, चक्रीय मेगोट	०.९	३.०			
भिंडी	तेला	१.७	५.७			
मक्का	प्ररोह मक्खी	२.४	८.०			
मिर्च	चुरदा	२.१	७.०			
सूरजमुखी	तेला, चुरदा	३.०	१०.०			
सोयाबीन	तना मक्खी	३.००	१०.००			

उपयोग के लिए निर्देश : छोटी ढेरी के लिए, इसकी आवश्यक मात्रा को उपचारित किए जाने वाले हर किलो बीज के लिए १०–२० मि.ली. पानी मिलायें। इस गाढे घोल को बीजों के साथ मिलाकर किसी डिब्बें (प्लास्टिक का पीपा या प्लास्टिक की थैली) को अच्छी तरह से तब तक (आम तौर पर एक मिनट से कम) हिलायें जब तक बीज पूरी तरह से थायामेथोक्सॅम ३० प्रतिशत एफ एस मिल न हो जाए। ये सलाह दी जाती है कि घोल तैयार करने के बाद थायामेथोक्सॅम ३० प्रतिशत एफ एस का उपयोग गारे के रुप में किया जाए, जिसके दौरान व्यावसायिक बीजोपचार यंत्र सतत चलाया जाना चाहिए, बनाने की विधि नीचे दी गई है। १. घोल बनाने की टंकी में जरुरत से आधे मात्रा पानी डालें. २. निर्धारित मात्रा थायामेथोक्सॅम ३० प्रतिशत एफ एस को हिलाते हुए मिलाएँ। ३. उत्पादन को छितर जाने दें। ४. घोलक प्रणाली का स्विच ऑन करें या हाथ से हिलाकर घोलें। ५. घोल में बचा हुआ पानी मिला दें। ६. घोल का उपयोग करते समय उसे हिलाते रहें। ७. घोल बनने के उपरान्त, उसे २४ घंटे के अन्दर इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इस्तेमाल का तरीका: १. ऊपर बताये अनुसार गाढा तैयार करें। २. बर्तन में बीजों को उलट दें। ३. बीजों को मिलाना शुरु करें। ४. बीजों में घोल की अपेक्षित मात्रा मिलाकर बीजों पर लागने दें। ५. इन्हें करीब ३० सेकेण्ड से एक मिनट तक दें ताकि ये एक समान रुप से उपचारित हो जाए। ज्यादा देर तक मिलाने से बीजों पर रगड़ लगेगी तथा धूल जमने लगगी। **प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां :** छिड़काव तैयार करने के लिए खाना पकाने के बर्तनों का इस्तेमाल नही कीजिए। छिड़काव के घोल को हिलाने के लिए लकड़ी का उपयोग करें। त्वचा को छिड़काव स्पर्श से बचाव के लिए दस्ताने पहनें। सांस के साथ अन्दर लेने और आंखों के सम्पर्क से भी बचें। छिड़काव करते समय सुरक्षात्मक कपड़े जैसे मास्क, चश्मा, बूटस आदि पहनें। उत्पाद को उठाते, रखते या प्रयोग करते समय खाना, पीना या धुम्रपान नहीं करना चाहिए। कार्य समाप्त होने के बाद हाथों को साबून और ज्यादा पानी से धोइए। पहने हुए कपडों को बदल लें और उन्हें अच्छी तरह से धोइए। **विष के लक्षण :** विष के लक्षण से शरीर में ढीलापन, मिर्गी जैसे झटके और प्टोसिस हो सकते है। **प्राथमिक चिकित्सा :** प्रभावित व्यक्ति को प्रदूषित जगह से हवादार कमरें या खुली हवा में ले जाए और तापमान से बचाए। विष बाधा के लक्षण दिखाइ देने पर तुरंत चिकित्सक को बुलाइए। त्वचा से लगने पर प्रदूषित कपडों को उतार दें तथा शरीर के प्रभावित हिस्सों को साबून और पानी से अच्छी तरह धोएं। आँखों में चले जाने पर आँखों को कुछ देर तक साफ पानी से अच्छी तरह छपछपाइए। निगल जाने पर पानी में मेडिसिनल चारकोल की काफी मात्रा में घोलकर बार बार दें। सूचना कभी भी मूर्छित मरीज को मुँह से कुछ भी नहीं देना चाहिए। उल्टी कराने की कोशिश न करें। **पौधविषाक्तता :** निर्धारित मात्रा अनुसार प्रयोग करने पर पौध विषाक्त नहीं है। **विष नाशक :** कोई विशेष प्रतिविष नहीं। लक्षणों के अनुसार उपचार करें। **खाली डिब्बों का निपटारा :** १. पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए डिब्बों, बचा हुआ घोल/पदार्थ मशीनों की धोवन और खाली डिब्बों का निपटारा सुरक्षित रुपान पर करें। २. उपयोग किए गए डिब्बों/पैकटों को वैसे ही बाहर नहीं छोड़ देना चाहिए। इस प्रकार उनको दुबारा उपयोग किया जा सकता है। ३. डिब्बों/पैकटों को तोडमोड़कर आबादी से दूर जमीन में गाड देना चाहिए। **संग्रहण की शर्तें :** १. कीटनाशक को डिब्बों को अन्य सामग्री खाने के संग्रहण के लिए उपयोग किए जा रहे कमरों या इमारतों से दूर अलग कमरों या इमारतों में अथवा अलग से ताला बंद अलमारियों में रखना चाहिए। २. कीटनाशको के संग्रहण के लिए उपयोग किए जाने वाले कमरों या इमारतों मजबूत, सूखे प्रकाशित तथा हवादार होने चाहिए तथा उनमें पर्याप्त स्थान होना चाहिए ताकि वाष्प से प्रदूषण न हो सके। **चेतावनी : इस लेबल/पत्रिका में निर्देशित किये गये फसलों के अलवा अन्य फसलों पर इस्तेमाल ना करें।**

रासायनिक संरचना :

थायामेथोक्साम, स.त.	३०.००% भार/भार
ब्युटनोल का कोपालिमर	४.३०% भार/भार
ग्लिसरीन	५.१०% भार/भार
१,२–बेन्जीसोथैयजोल–३ओन	०.२०% भार/भार
मोनाजो डाय (इरगिलथ रेड सी २ बी)	३.४० % भार/भार
पालीइथिलीन ग्लाइकोल	२.६०% भार/भार
पानी	पर्याप्त मात्रा% भार/भार
योग :	**१००.०००% भार/भार**

Hindi

अखदिर

थायामेथोक्झॅम ३० % एफएस

(आंतरप्रवाही कीटकनाशक)

थायामेथोक्झॅम ३० % एफएस एक बहुविधिध कार्यकारी कीटकनाशक आहे जे हंगामाच्या सुरुवातीच्या काळात रस शोषक किड्यांवर नियंत्रण ठेवण्यासाठीच्या बीज उपचाराकरिता अनुकूल आहे. कापसावरील तुडतुडे, माव आणि पांढऱ्या माशीवर, ज्वारी आणि मक्यावरील खोडमाशीवर, गव्हावरील वाळवीवर, भेंडीवरील तुडतुड्यावर, भातावरील फुलकिडे, जीएलएच आणि मंडल अळीवर, सूर्यफुलावरील तुडतुडे आणि फुलकिड्यांवर, सोयावरील खोडमाशीवर आणि मिरचीच्या पिकावरील फुलकिड्यांवर नियंत्रण ठेवण्यासाठी ह्याची शिफारस होते. शोषक किडीवरील त्याच्या जलद कृतीमुळे, हे लिफ कर्ल व्हायरस या विषाणूचा प्रसार रोखते.

शिफारस :

पीक (पिके)	किडीचे सामान्य नाव	मात्रा / हे		पाण्यामधील विरलन (लीटर)	मागील फवारणी ते काणणीदरम्यानचा प्रतीक्षा कालावधी (दिवस)	प्रत्येक शारू-सार पुन:प्रवेश (तासांनंतर)
		क्रि.घ. (ग्रॅम प्रति किलो बीज)	सूत्रीकरण (मिली प्रति किलो बीज)			
कापूस	तुडतुडे, माव, पांढऱ्या माश्या	३.०	१०.०	–	हे बीज उपचारक म्हणून वापरले जाते	
गहू	वाळवी	१.०	३.३			
ज्वारी	खोडमाशी	३.०	१०.०			
भात	फुलकिडे, जीएलएच, मंडल अळी	०.९	३.०			
भेंडी	तुडतुडे	१.७	५.७			
मका	खोडमाशी	२.४	८.०			
मिरची	फुलकिडे	२.१	७.०			
सूर्यफूल	तुडतुडे, फुलकिडे	३.०	१०.०			
सोया	खोडमाशी	३.००	१०.००			

वापरासाठी सूचना : छोट्या गठ्ठ्यांसाठी, उपचार करावयाच्या प्रत्येक किलो बिजासाठी थायमेथोक्झॅम ३०% एफएस आवश्यक प्रमाणात घ्या आणि १०–२० मिली पाण्यामध्ये मिसळा. बिजामध्ये ही स्लरी घाला आणि बिया एकसमानपणे आच्छादल्या जाईपर्यंत (सहसा एका मिनिटाहून कमी वेळात) डबा गोल फिरवा किंवा ढवळा (प्लॅस्टिकचे पिंप किंवा पोते). ह्याची शिफारस स्लरीच्या रूपात सतत चालू असणाऱ्या व्यावसायिक बीज आच्छादन उपकरणास करण्यासाठी केली जाते. स्लरी तयार करण्यासाठी, पुढील प्रक्रिया पाळा : १. आवश्यकतेच्या १/२ पाणी मिश्रणाच्या टाकीमध्ये ओता. २. थायमेथोक्झॅम ३०% एफएस आवश्यक प्रमाणात घाला आणि सतत ढवळत राहा. ३. उत्पादन विखुरू द्या. ४. ढवळण्याची पद्धत बदला किंवा स्वतः ढवळा. ५. उरलेले पाणी ओता. ६. वापरताना पूर्ण वेळ स्लरी ढवळत राहा. ७. तयार केल्यावर २४ तासांच्या आत स्लरीचा वापर व्हायला हवा. वापराची प्रक्रिया : १. ही स्लरी वर्णन केल्यानुसार तयार करा. २. बिया मांडाशामध्ये भरा. ३. बिया मिसळायला सुरुवात करा. ४. मिसळत असलेल्या बियांवर आवश्यक प्रमाणात स्लरी ओतून घ्या. ५. एकसारखा उपचार साध्य करण्यासाठी ३० सेकंद ते १ मिनीटभर मिसळत राहा. त्याहून अधिक काळ मिसळत राहिल्याने झीज होईल आणि धूळ तयार होईल. **खबरदारी :** स्लरी तयार करण्यासाठी स्वयंपाकाची भांडी वापरू नका. स्लरीचे द्रावण ढवळण्यासाठी काठी वापरा. त्वचा, डोळे आणि कपड्यांशी संपर्क होऊ देणे टाळा. धुके आणि बाष्प श्वासावाटे आत जाऊ देणे टाळा. त्वचेशी संपर्क होऊ देणे टाळण्यासाठी हातमोजे वापरा. मिसळताना संरक्षक कपडे, मास्क गॉगल आणि बूट वापरा. उत्पादन हाताळताना किंवा वापरताना काहीही खाऊ, पिऊ अथवा धूम्रपान करू नका. काम झाल्यावर हात भरपूर साबणाने व पाण्याने धुवा व कपडे बदला. दूषित कपडेसुद्धा धुवा. **विषबाधेची लक्षणे :** विषबाधेमुळे उत्स्फूर्त हालचाल कमी होऊ शकते, विषारी आचके येतात आणि पापणी लुळी पडू शकते. **प्रथमोपचार :** बाधित व्यक्तीला हवेशीर जागी किंवा मोकळ्या हवेत न्या आणि त्याला गार पडण्यापासून वाचवा. त्वचेशी संपर्क आल्यास : दूषित कपडे काढ:आ आणि शरीराचे बाधित अवयव साबणाने व पाण्याने स्वच्छ धुवून काढा. डोळ्यांत गेल्यास : अनेक मिनिटे पाण्याने डोळे धूत राहा. तोंडावाटे आत गेल्यास : वारंवार औषधी कोळसा भरपूर पाण्याबरोबर देत राहा. टीप : बेशुद्ध व्यक्तीला कधीही तोंडावाटे काहीही देऊ नये. उलटवा काढू नका. **वनस्पतीविषजन्यता :** शिफारसीनुसार वापरले तर वनस्पतीविषजन्य नाही. **उतारा :** विशिष्ट उतारा ज्ञात नाही. लक्षणानुसार उपचार करा. **वापरलेला कंटेनरची विल्हेवाट :** १. पॅकेजेस किंवा उरलेले पदार्थ आणि यंत्रांमधील आणि कंटेनरमधील धुवाणांची विल्हेवाट सुरक्षित पद्धतीने पर्यावरणाचे व पाण्याचे प्रदूषण होणार नाही अशा रीतीने करावी. २. एकदा वापरलेली पॅकेजेस पुन्हा वापरली जाऊ नयेत म्हणून त्यांची सुरक्षित पद्धतीने विल्हेवाट लावावी. ३. पॅकेजेस मोडावीत आणि वस्तीपासून दूर नेऊन पुरावीत. **साठवणीच्या अटी :** १. कीटकनाशके असलेली पॅकेजेस मूळ कंटेनर्समध्ये इतर वस्तू विशेषत: अन्नपदार्थ साठवावच्या खोल्यांपासून किंवा वास्तूपासून दूर वेगळ्या खोल्यांमध्ये किंवा वास्तूमध्ये तेवावीत किंवा वेगळ्या कपाटांमध्ये कुलुपबंद करून ठेवावीत. २. कीटकनाशक ठेवण्यासाठीच्या खोल्या किंवा वास्तू सुबद्ध, कोरड्या, सुप्रकाशित आणि हवेशीर असाव्यात आणि बाष्प मिसळणे टाळण्यासाठी पुरेशा मोजमापाच्या असाव्यात. **सावधान : ह्या पत्रकात / पत्रिकेत निर्देशित पिकांखेरीज इतर पिकांवर वापरू नये.**

रासायनिक संघटन :

थायामेथोक्झॅम क्रि.घ.	३०% व/व
ब्युटनॉलचे कोपॉलीमर	४.३०% व/व
ग्लिसरीन	५.१०% व/व
१,२–बेन्झिसोथायअॅझोल – ३–वन	०.२०% व/व
मोनाझो डाय (अर्गालिथ रेड सी २ बी)	३.४० % व/व
पॉलीइथायलीन ग्लायकॉल	२.६०% व/व
पाणी	पूरकत % व/व
एकूण :	**१००.०००% व/व**

Marathi

अख्दीर

थायामिथोक्षाम ३० % एफ्एस

(आंतरप्रवाही डीटनाशक)

थायामिथोक्षाम ३० % एफ्एस एक व्यापक रीतो काम करतुं आंतरप्रवाही डीटनाशक छे, जे सीड ट्रीटमेन्ट माटे खूब ज अनुकूल छे एनो उपयोग पहेलासरनी मोसमनी चूसिया ज्ञीवातोनी रोकथाम करवा माटे करवामां आवे छे. आनी भलामा सीड ट्रीटमेन्ट तरीके कपासमांनी चूसिया ज्ञीवातो, मोलोमशी अने सफेद माखी, ज्वार अने मकाई परनी सांठामाखी, घऊंमांनी उधइओ, भींडामांना लीलातडतडीया, डांगरमांना लीला चुरमिया अने पर्ल मेगोट, सूरज्मुखीमांनी लीलातडतडीया अने थ्रिप्स, सोयाबीनमांनी सांठामाखी, अने मरचांना पाकमांनी थ्रिप्सनी रोकथाम करवा माटे सीड ट्रीटमेन्ट तरीके करवामां आवे छे. चूसिया ज्ञीवात परना ओना ञडपी डायनेन कारणे ओ पांदडाने वाळी नांखता वाईरसना ફેલાવાને मर्यादित करे छे.

भलामणा :

पाक (ओ)	डीटकनुं सामान्य नाम	मात्रा / हेक्टर		पाणीनुं प्रमाण (ली.)	अंतिम छंटकाव अने लणवी वच्चेनो प्रतीक्षा-गाळो (दिवसो)	प्रत्येक छंटकाव पछी पुन: प्रवेश (कलाको)
		स.त. (ग्रम प्रति किलो बियां)	संरचना (मिली प्रति किलो बियां)			
કપાસ	લીલાતડતડીયા, મોલોમશી, સફેદ માખી	3.0	10.0	–	આનો ઉપયોગ સીડ ડ્રેસર તરીકે થાય છે	
ઘઉં	ઉધઇ	1.0	3.3			
જુવાર	સાંઠામાખી	3.0	10.0			
ડાંગર	થ્રિપ્સ, લીલા ચુરમીયા અને પર્લ મેગોટ	0.૯	3.0			
ભીંડા	લીલાતડતડીયા	1.७	५.७			
મકાઇ	સાંઠામાખી	२.४	८.०			
મરચાં	થ્રિપ્સ	२.१	७.०			
સૂરજમુખી	લીલા તડતડીયા, થ્રિપ્સ	3.0	10.0			
સોયાબીન	સાંઠામાખી	3.00	10.00			

વપરાશ સંબંધિત માર્ગદર્શન : નાના જથ્થા માટે ટ્રીટ કરવાના હોય એ પ્રત્યેક કિલો બિયાં માટે १०–२० મિલી પાણીમાં જોઇતી માત્રામાં થાઇમેથોક્ઝમ ३०% એફએસને ભેળવો. આ ક્ડદાને બિયાંમાં ભેળવો અને ગોળ–ગોળ ઘુમાવો અથવા પાત્રમાં (પ્લાસ્ટિકે ડ્રમ અથવા બૅગમાં) ત્યાં સુધી હલાવો, જ્યાં સુધી બિયાં પર એકસરખી પરત ના ચડી જાય (સામાન્યપણે એક મિનિટ કરતાં ઓછા સમય સુધી). છંટકાવ માટે ભલામણ કરવામાં આવે છે કે ક્ડદાને સતત ચાલતાં કમર્શિયલ સીડ ડ્રેસિંગ ઉપકરણ વાપરો. ક્ડદો બનાવવા માટે નીચે આપેલી પ્રવૃત્તિઓને અનુસરો: ૧. મિક્સ કરવાની ટાંકીને આવશ્યક પાણી ક્રતા ૧/૨ ભરો. સતત હલાવતાં ઋઈને જોઇતી માત્રામાં થાઇમેથોક્ઝમ ३०% એફએસને ઉમેરો. ૩. ઉત્પાદનને ઓગળી જવા દો. ૪. ઍજિટેશન સિસ્ટમને ચાલુ કરો અથવા હાથ વડે હલાવો. ૫. પાણીના બાકી વધેલા જથ્થાને ઉમેરી દો. ૬. વાપરો ત્યારે આખો વખત ક્ડદાને હલાવવાનું ચાલુ રાખો. ७. બનાવ્યાના ૨૪ કલાકમાં ક્ડદાને વાપરી જ જાંખવો જોઇએ. છંટકાવની રીતઃ ૧. વર્ણન કર્યા મુજબ ક્ડદો બનાવો. ૨. પાત્રને બિયાં વડે ભરી દો. ૩. બિયાંને ભેળવવાનું ચાલુ કરો. ४. બિયાંમાં જોઇતી માત્રામાં ક્ડદાને રેડો. ५. એકસમાન ટ્રીટમેન્ટ માટે આશરે ३० સેકંડથી એક મિનિટ સુધી ભેળવો. ભેળવવામાં વાર લાગે તો એ શોષાઇ જશે અને ધૂળમાં પરિવર્તિત થઇ જશે. **સાવચેતી :** ક્ડદાને બનાવવા માટે રાંધવાનાં વાસણોનો ઉપયોગ કરશો નહીં. ક્ડદાના દ્રાવણને હલાવવા માટે લાકડીનો ઉપયોગ કરો. ત્વચા, આંખો અને કપડાં સાથેના સંસર્ગને ટાળો. ધૂમ્રાડા અને બાષ્પને શ્વાસમાં લેવાનું ટાળો. ત્વચા સાથેના સંસર્ગને ટાળવા માટે હાથમોજાં પહેરો. ભેળવતી વખતે શરીરને સુરક્ષા આપતાં કપડાં, બુઠ્ઠાની, કાળા ચશ્મા અને બૂટ પહેરો. બનાવતી અથવા ઉત્પાદનનો છંટકાવ કરતી વખતે ખાશો, પીશો અથવા ધૂમ્રપાન કરશો નહીં. કામ પતી ગયા પછી હાથોને પુષ્કળ સાબુ અને પાણી વડે ધોઇ નાંખો. ઉપરાંત દૂષિત કપડાંને પણ ધોઇ નાંખો. ઝેર ચઢવાનાં લક્ષણોઃ ઝેર ચઢવા પર સહજ હલનચલનમાં ઘટાડો થવો, આંચકીઓ અને પાંપણોનો લડવો જેવાં ચિહ્નો નજરે પડી શકે છે. **પ્રાથમિક ઉપચાર :** અસરગ્રસ્ત વ્યક્તિને ઇપાદાર જગ્યામાં અથવા તાજી હવામાં ખસેડો અને એને ઠંડી પડી જવાથી રક્ષણ આપો. જો ત્વચાને લાગે તો: દૂષિત કપડાંને કાઢી નાંખો અને શરીરના અસરગ્રસ્ત ભાગોને સાબુ અને પાણી વડે ધોઇ નાંખો. **જો આંખમાં જાય તો :** કેટલીક મિનિટો સુધ આંખોમાં ચોખ્ખા પાણીની છાલક મારો. **જો પેટમાં જાય તો :** પુષ્કળ પાણીમાં મેડિકેટેડ ચારકોલ ભેળવીને આપો. નોંધઃ બેભાન વ્યક્તિને કદાપિ મોં વાટે કંઇ પાણ ના આપશો. ઊલટી કરાવશો નહીં. **છોડ માટે ઝેરી:** જો સૂચવ્યા મુજબ વાપરવામાં આવે તો છોડ માટે ઝેરી નથી. **ઝેરનું મારણ:** ઝેરનું કોઇ ચોક્કસ મારણ જાણમાં નથી. લક્ષણો અનુસાર સારવાર કરો. **વાપરેલાં ડબ્બાઓનો નિકાલ :** ૧. પંકેજો, વધેલાં મટીરિયલ્સ અને ધોવાણાંનો નિકાલ એવી સલામત રીતે કરે કે જેથી પર્યાવરણ અને પાણી પ્રદૂષિત ના થાય. ૨. વાપરેલાં ડબ્બાઓનો ફરીવાર ઉપયોગ થતો ટાળવા માટે એને બહાર ૨૩ળતાં નાં છોડશો. ૩. ડબ્બાઓને તોડી નાંખીને એને ઉંડ્ડ સ્થાને દાટી દો. **સંગ્રહ કરવાની શરતો :** ૧. કીટકનાશકોને ખોરાક પદાર્થો અથવા અન્ય ચીજવસ્તુઓ અને ખાસ કરીને ખાદ્યપદાર્થો રાખવાના ઓરડા અથવા જગ્યાથી દૂર અલગ જ ઓરડામાં, અલગ જ કબાટમાં તાળુંચાવી વાસીને રાખવાં. ૨. કીટકનાશકોને સંગ્રહ કરવાની જગ્યા કે ઓરડો મજબૂત, સૂકો, હવાઉજરાવાળો અને એમાંની બાષ્પથી દૂષિત ના થાય એ માટે પૂરતો મોકળો હોવો જોઇએ. **આ પત્રિકા/પુસ્તિકામાં જણાવેલા પાકોને છોડીને કોઇ અન્ય પાકો પર આનો ઉપયોગ ના કરવો.**

રાસાયણિક સંયોજન :

થાયામિથોક્ષામ સ.ત.	३०.०० % व/व
કોપોલીમર ઑફ બ્યુટાનોલ	४.३० % व/व
ગ્લીસરીન	५.१० % व/व
૧,૨–બેન્ઝિસોથિઆઝોલ ૩ – વૅન	०.२० % व/व
મોનાઝો ડાય (ઇર્ગાલિથ રેડ સી ૨ બી)	३.४० % व/व
પૉલીઇથાયલીન ગ્લાયકૉલ	२.६० % व/व
પાણી	પૂરતાં પ્રમાણમાં % व/व
કુલ :	**१००.००० % व/व**

Gujarati

ਅਖਦਿਰ

ਥਿਆਮੇਥੋਕਸੈਮ 30% ਐਫ ਐਸ

(ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਹੀ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ)

ਥਿਆਮੇਥੋਕਸੈਮ 30% ਐਫ ਐਸ ਇਕ ਬਹੁਪਰੰਪਰੀ ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਹੀ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਹੈ ਜੋ ਬੀਜ ਉਪਚਾਰ ਕਰਨ ਨਾਲ ਫ਼ਸਲ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂ ਵਿੱਚ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਚੂਸਕ ਕੀਟਾਂ ਨੂੰ ਨਿਯੰਤ੍ਰਿਤ ਕਰਦਾ ਹੈ । ਇਸਦੀ ਜਰੂਰੀ ਮਾਤਰਾ ਕਪਾਹ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਕੀਟ ਜਿਵੇਂ ਤੇਲਾ, ਮਾਹੂ ਅਤੇ ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ ; ਜਵਾਰ ਅਤੇ ਮੱਕਾ ਦੀ ਸੂਟ ਫ਼ਲਾਈ ; ਕਣਕ ਦੀ ਸਿਊਂਕ ; ਝਿੰਡੀ ਦੇ ਤੇਲਾ ; ਝੋਨੇ ਦੇ ਚੁਰਦਾ, ਪੱਤੇ ਦਾ ਹਰਾ ਫੁਦਕਾ ਅਤੇ ਵ੍ਹੋਰਲ ਸੈਗੋਟ ; ਸੂਰਜਮੁਖੀ ਦੇ ਤੇਲਾ ਅਤੇ ਚੁਰਦਾ ; ਸੋਯਾਬੀਨ ਦੇ ਤਨਾ ਮੱਖੀ ਅਤੇ ਮਿਰਚ ਦੇ ਚੁਰਦਾ ਦੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਲਈ ਬੀਜ ਉਪਚਾਰ ਕਰਨ ਦੀ ਸਿਫ਼ਾਰਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਚੂਸਕ ਕੀਟਾਂ ਤੇ ਜਲਦੀ ਅਸਰ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਣ, ਇਹ ਪੱਤਾ ਮੋੜਕ ਰੋਗ ਹੋਣ ਤੋਂ ਰੋਕਦਾ ਹੈ ।

ਸਿਫ਼ਾਰਿਸਾਂ :

ਫ਼ਸਲ (ਫ਼ਸਲਾਂ)	ਕੀਟ ਦਾ ਆਮ ਨਾਮ	ਖੁਰਾਕ/ ਹੇਕਟਰ		ਪਾਣੀ ਦੀ ਮਾਤਰਾ (ਲਿ.)	ਅੰਤਿਮ ਛਿੜਕਾਅ ਅਤੇ ਕਟਾਈ ਦੀ ਕਟਾਈ ਦੇ ਵਿੱਚ ਅੰਤਰਲ (ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ)	ਹਰ ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰਹਰ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ (ਘੰਟੇ)
		ਏ. ਆਈ. (ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤਿ ਕਿਲੋ ਬੀਜ)	ਫ਼ਾਰਮੂਲੇਸ਼ਨ (ਮਿ.ਲੀ. ਪ੍ਰਤਿ ਕਿਲੋ ਬੀਜ)			
ਕਪਾਹ	ਤੇਲਾ, ਮਾਹੂ, ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ	३.०	१०.०	–	ਇਸ ਨੂੰ ਬੀਜ ਡ੍ਰੈਸਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।	
ਕਣਕ	ਸਿਊਂਕ	१.०	३.३			
ਜਵਾਰ	ਸੂਟ ਫ਼ਲਾਈ	३.०	१०.०			
ਝੋਨਾ	ਚੁਰਦਾ, ਪੱਤੇ ਦਾ ਹਰਾ ਫੁਦਕਾ, ਵ੍ਹੋਰਲ ਸੈਗੋਟ	०.९	३.०			
ਭਿੰਡੀ	ਤੇਲਾ	१.७	५.७			
ਮੱਕਾ	ਸੂਟ ਫ਼ਲਾਈ	२.४	८.०			
ਮਿਰਚ	ਚੁਰਦਾ	२.१	७.०			
ਸੂਰਜਮੁਖੀ	ਤੇਲਾ, ਚੁਰਦਾ	३.०	१०.०			
ਸੋਯਾਬੀਨ	ਤਨਾ ਮੱਖੀ	३.००	१०.००			

ਇਸਤੇਮਾਲ ਲਈ ਨਿਰਦੇਸ਼ : ਛੋਟੀ ਢੇਰੀ ਲਈ, ਇਸਦੀ ਜਰੂਰੀ ਮਾਤਰਾ ਨੂੰ ਉਪਚਾਰਿਤ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਹਰ ਇੱਕ ਕਿਲੋ ਬੀਜ ਲਈ १० – २० ਮਿ.ਲੀ. ਪਾਣੀ ਮਿਲਾਓ । ਇਸ ਗਾੜੇ ਘੋਲ ਨੂੰ ਬੀਜਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲਾਕੇ ਕਿਸੇ ਡੱਬੇ (ਪਲਾਸਟਿਕ ਦਾ ਪੀਪਾ ਜਾਂ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਥੈਲੀ) ਨੂੰ ਤਦੋਂ ਤੱਕ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ (ਆਮ ਤੌ